हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार 17 मई 2026

11 परिश्रम, अनुशासन व सकारात्मक सोच से...

12 कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के आवास पर...

28 YEARS EXCELLENCE IN EDUCATION

लक्ष्य एवं उपलब्धी के बीच का सेतू

TAGORE PUBLIC SCHOOL

MAHENDERGARH
REWARI
GURUGRAM

TEACHING EXCELLENCE AWARD by International School Awards

HIGH PERFORMANCE SCHOOL by AKS - 2018

SPECIAL COACHING FOR SAINIK SCHOOL MILITARY SCHOOL IISER | CLAT | IIT | NEET

a synonym to discipline

Our Tagorian Shines Again!!!!

CBSE Class 12th Results 2025-26

TOPPER 2025-26

ISHA YADAV

D/o Praveen Kumar

99%

100	100	100	98	97
GEOGRAPHY	HISTORY	MUSIC	ENGLISH	POLITICAL SCIENCE

97.80% RISHIKA YADAV D/o Sudesh Kumar

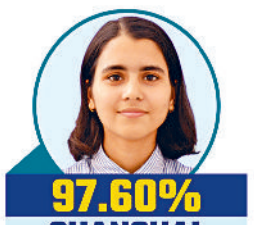

97.60% CHANCHAL D/o Jai Prakash

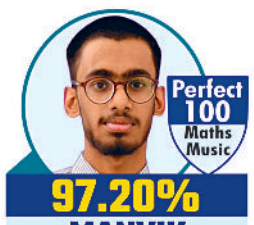

97.20% MANVIK S/o Sunil Kumar

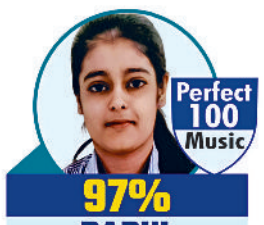

97% PARUL D/o Ajay Singh

97% HARSH S/o Lekhraj

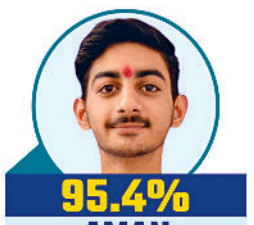

95.4% AMAN S/o Hoshiar Singh

95% RITIKA D/o Bhupender Kumar

95% DEEPANSHU S/o Jai Prakash

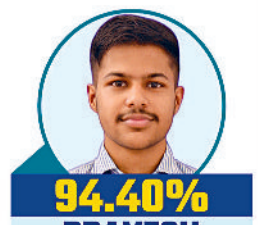

94.40% PRAVESH S/o Satish

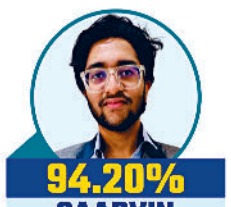

94.20% SAARVIN S/o Amit Singhal

93.80% NANCY D/o Anup Kumar

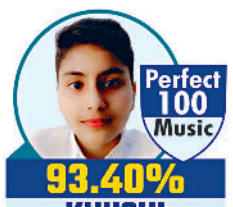

93.40% KHUSHI D/o Manjeet

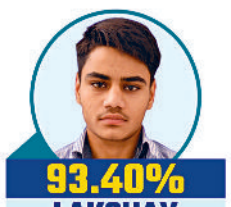

93.40% LAKSHAY S/o Harender Jangir

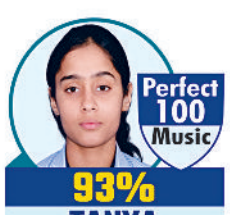

93% TANYA D/o Gajender

92.80% RUPSHANA D/o Rup Bahadur Jargha

92.60% SAKSHI YADAV D/o Sudhir Kumar

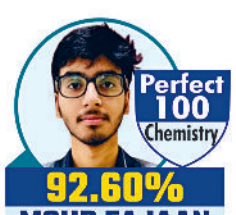

92.60% MOHD FAJAAN S/o Abid Hussain

92.40% ANJU D/o Rakesh

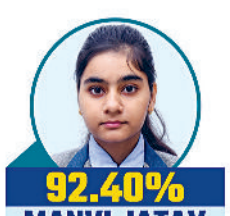

92.40% MANVI JATAV D/o Rajesh Kumar

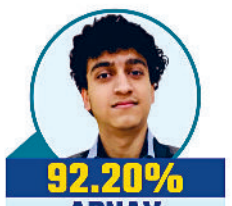

92.20% ARNAV S/o Gagan Arora

92% KHUSHI D/o Gulshan

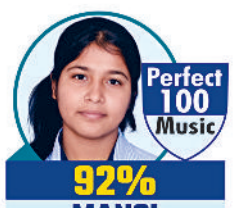

92% MANSI D/o Naveen

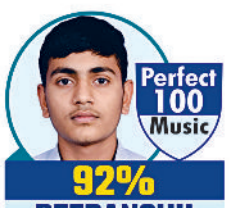

92% DEEPANSHU S/o Naveen

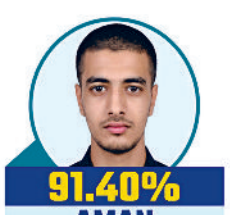

91.40% AMAN S/o Rabish Kumar Singh

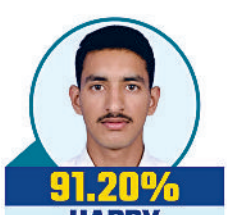

91.20% HAPPY S/o Satish Kumar

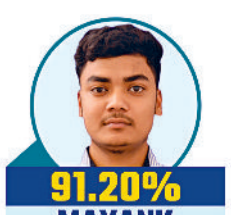

91.20% MAYANK S/o Vinod

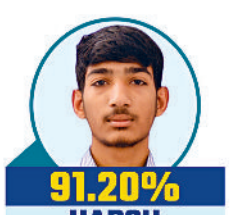

91.20% HARSH S/o Sandeep Kumar

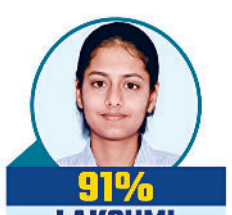

91% LAKSHMI D/o Ajay Singh

90.80% HIMANI D/o Manish

90.40% ANSHITA D/o Vipin Kr Rajput

90.20% BHAWNA D/o Dharmpal

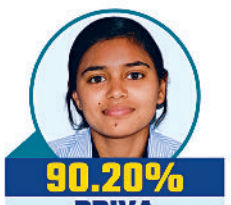

90.20% PRIYA D/o Pradeep

90.20% MUSKAN D/o Vikash Kumar

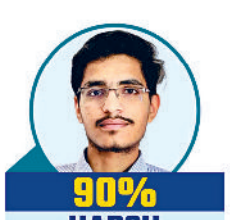

90% HARSH S/o Brijesh

90% ANTIM D/o Krishan Kumar

90% BHAVYA S/o Sunil Kumar

90% RISHU D/o Amir Singh

90% DEEPENDER S/o Dharmender

90% CHANCHAL D/o Satish Kumar

IIT MAINS 159 | IIT ADVANCE 53 | NEET 63 | NDA 57 | NIT 47 | CUET 180 | CLAT 39 | IISER 68

AC BOYS HOSTEL
FACILITIES AVAILABLE IN REWARI CAMPUS

Nursery to 12th ADMISSION Open 2026-27

Tagore College B.ed & D.ed :
Gaushala Road,
Mahendergarh
Ph: 9813922732, 8685841333

Mahendergarh Campus :
Near Canal Rest House
Rewari Road, Mahendergarh
Ph: 9053905341,42

Rewari Campus :
Rewari-Mahendergarh Road,
Rewari
Ph: 8607974777, 8685851444

Gurugram Campus :
Sec-50, Nirvana,
Country Gurugram
Ph: 9053905343,44

Natkhat kids Play School :
Majra Chowk,
Mahendergarh
Ph: 8222888959

खबर संक्षेप

खासपुर में लिंगानुपात सुधार को लेकर हुई बैठक

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव खासपुर में घटते लिंगानुपात को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. राहुल यादव ने करते हुए कहा कि लिंगानुपात का लगातार कम होना एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय है जिसका असर समाज के संतुलन पर पड़ता है।

युवा शक्ति फाउंडेशन ने लगाई ठंडी छबील

नारनौल। क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी व लू के थपेड़ों से आमजन को राहत देने के लिए युवा शक्ति फाउंडेशन सेका की ओर से शनिवार को एक सराहनीय पहल की गई। संस्था के सदस्यों ने स्थानीय शनि मंदिर के पास ठंडे-मीठे जल की छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई।

बहुजन समाज पार्टी करेगी आंदोलन

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी सरकार की ओर से डीजल व पेट्रोल की कीमतों में की गई वृद्धि के खिलाफ आंदोलन करेगी। आंदोलन के प्रथम चरण में गांवों, कस्बों, शहरों व वार्डों में जुलूसए रोष प्रदर्शन, सभाएं आयोजित कर सरकार से की गई वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की जाएगी। बसपा नेता अतरलाल ने कहा कि सरकार ने पेट्रोल व डीजल की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करके जनता पर भारी बोझ लाद दिया है। उन्होंने कीमतों में वृद्धि को जनविरोधी बताते हुए कहा कि इससे महंगाई बढ़ेगी।

व्यापारी नेता बजरंग लाल अग्रवाल का निधन

नारनौल। हरियाणा व्यापार मण्डल के प्रदेश चेयरमैन एवं पूर्व जिला

अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल का दिल्ली के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन से व्यापार जगत व समाज के सभी क्षेत्रों में शोक के लहर दौड़ गई। शुक्रवार देर शाम स्वर्ग आश्रम रेवाड़ी रोड पर अन्तिम संस्कार किया गया। उनके दो पुत्र सुमित व अमित अग्रवाल है।

प्रदेश में नहीं रहा सुरक्षा का भरोसाः महेंद्र

मंडी अटेली। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के नारनौल-महेंद्रगढ़ मुख्य मार्ग स्थित निवास पर बदमाशों के घुसने को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और अब जनप्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं।

क्षेत्र में चलाया डेंगू जागरूकता अभियान

मंडी अटेली। सीएचसी अटेली के अंतर्गत आने वाली पीएचसी कांटी की स्वास्थ्य टीम द्वारा क्षेत्र में डेंगू के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में हेल्थ इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह व हरीश के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विभिन्न स्कूलों का दौरा कर बच्चों को डेंगू से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी।

गाहड़ा की बिटिया लब्ज शर्मा ने जीता गोल्ड

नारनौल। जनपद के गांव गाहड़ा की बेटी लब्ज शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है तथा परिवार और ग्रामीणों में गर्व की भावना देखने को मिल रही है।

आर्म्स एक्ट के मामले में पीओ पकड़ा

नारनौल। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए पुलिस को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक कामयाबी मिली है। पुलिस टीम ने एक उद्घोषित अपराधी (पीओ) को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जिले में इस वर्ष अब तक डेंगू के 4 मरीज मिले

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अब तक 1267542 घरों को जांचा, 137 घरों में पाया लार्वा, नोटिस जारी, 2025 में 57 व 2024 में मिले थे 62 डेंगू के मरीज

लोगों को जागरूक करने की अपील, जिला अस्पताल में ब्लड कंपोनेंट मशीन की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

स्वास्थ्य विभाग की ओर से शनिवार पूरे जिले में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। इस अवसर पर लोगों को जागरूक करने की अपील करते हुए डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि कोई भी बुखार डेंगू हो सकता है, यदि किसी को बुखार आए तो तुरंत जांच करवाए, जिला अस्पताल व महेंद्रगढ़ के उप नागरिक अस्पताल में डेंगू की निःशुल्क प्रमाणित जांच की सुविधा उपलब्ध है। वहीं जिला अस्पताल में ब्लड कंपोनेंट मशीन की सुविधा भी उपलब्ध है।

डेंगू पर वार के लिए विभाग तैयार

सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार के आदेशानुसार व उप सिविल सर्जन डॉ. मनीष यादव के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम जारी है। इस दौरान सिविल सर्जन ने बताया कि डेंगू पर वार के लिए विभाग पूरी तरह तैयार है। इसके लिए सीएचसी स्तर पर रेपिड रिस्पॉन्स टीम बनाई गई है, साथ ही हर पीएचसी, सीएचसी पर अलग से डेंगू वार्ड बनाया गया है। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग के लिए स्थानीय निकाय विभाग और ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत विभाग को निर्देश जारी किए गए है। उन्होंने प्राइवेट हॉस्पिटल व लैब को निर्देश देते हुए बताया कि सभी गाइडलाइन अनुसार कार्य करे, अपने स्तर पर बिना प्रमाणित जांच के डेंगू केस घोषित न करे। इस बारे उन्हें पत्र जारी किया जा चुका है।

नारनौल। बैठक करते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

टीमें कर रही है घर-घर जाकर जांच

इस अवसर पर उप सिविल सर्जन डॉ. मनीष यादव ने बताया कि जिले में 149 टीम घर घर जा कर बुखार के मरीजों की जांच कर रही है, अब तक 1267542 घरों में जांच की जा चुकी, जिसमें 137 घरों में लारवा पाया गया है, जिनको नोटिस जारी किए गए है। जिले में इस वर्ष चार डेंगू के मरीज मिले है, जबकि 2025 में 57 व 2024 में 62 डेंगू के मरीज मिले थे। उन्होंने रविवार के दिन ड्राई डे मनाने की अपील करते हुए बताया कि सप्ताह में एक बार रविवार के दिन घर के सभी पानी के पात्रों को खाली करके सूखा कर दुबारा भरना चाहिए। डॉ. यादव ने बताया कि डेंगू के लारवा खत्म करने के लिए जिले के जोहड़ों व तालाबों में गैंबूशिया मछली डाली जा रही है, जिले में अभी तक 133 जगह मछली डाली जा चुकी है। डेंगू से बचाव के लिए विभाग पूरी तरह तैयार है। इसी संदर्भ में जिले के सभी हेल्थ इंस्पेक्टर की बैठक भी ली जा चुकी है।

ये रहे मौजूद

इसी कड़ी में शहर में डेंगू दिवस मोहल्ला रावका के आंगनबाड़ी केंद्र में मनाया गया। जिसमें लोगों को डेंगू के कारण, लक्षण, बचाव व सुविधा के बारे में विस्तार से बताया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग से मुकेश कुमार, सतीश कुमार, मनोज कुमार, अजय कुमार, संजय कुमार, मुकेश कुमार, पुष्पा, आंगनबाड़ी वर्कर ममता, रीना, आशा वर्कर रीता सहित काफी संख्या में मोहल्ला निवासी मौजूद थे।

किसानों को मिलेगी राहत, बरसात में खत्म होगी कच्चे रास्तों की परेशानी

ग्रामीण विकास को नई रफ्तार, नारनौल में बनेंगे चार नए तारकोल लिंक रोड

राजकुमार ▶▶। नारनौल

विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों के लिए बड़ी विकासात्मक सौगात सामने आई है। मार्केट कमेटी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में चार नए लिंक रोड के निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है, जबकि आधा दर्जन सड़कों की मरम्मत प्रस्तावित है, जिनकी स्वीकृति का अभी इंतजार है। इन सभी सड़कों के बनने के बाद ग्रामीणों और किसानों के आवागमन में ऐतिहासिक सुधार देखने को मिलेगा। इन सड़कों को तारकोल (डामर) से पक्का किया जाएगा, जिससे बरसात के मौसम में कच्चे रास्तों की समस्या समाप्त हो जाएगी।

2.58 करोड़ की लागत से बदलेगी ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर

लंबे समय से ग्रामीण इन सड़कों की मांग कर रहे थे, जिससे खेतों और बाजार तक पहुंचना आसान हो सके। प्रदेश सरकार द्वारा नारनौल के विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव के प्रयासों से चार प्रमुख लिंक रोड को मंजूरी प्रदान की गई है। इन सड़कों पर करीब 2.58 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

नारनौल। नई सड़क निर्माण के लिए तैयार किया जा रहा बेस। फोटो : हरिभूमि

यह कहते हैं अधिकारी

मार्केट कमेटी कंस्ट्रक्शन ब्रांच के जेई विक्रम यादव ने बताया कि स्वीकृत चारों लिंक रोड तारकोल से बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन सड़कों के बनने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। वहीं मरम्मत वाली सड़कों के लिए प्रस्ताव भेज दिया गया है और मंजूरी का इंतजार है।

विकास कार्यों को मिली नई दिशा

इन विकास कार्यों की स्वीकृति के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी की लहर है। ग्रामीणों ने विधायक ओमप्रकाश यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों पुरानी मांग अब पूरी होने जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इन सड़कों के बनने से गांवों की तस्वीर बदल जाएगी और विकास की गति तेज होगी।

यह बननी हैं नई सड़कें

- शहरपुर से लहरोदा (1.15 किलोमीटर)
- मंडलाना से रघुनाथपुरा (1.6 किलोमीटर)
- चिंडालिया से ढाणी भालोठ (1.5 किलोमीटर)
- नांगल काठा से चूड़ीना (राजस्थान सीमा) 1.5 किलोमीटर

इन सड़कों के निर्माण से गांवों की आपसी कनेक्टिविटी मजबूत होगी और किसानों को खेतों तक पहुंचने में बड़ी सुविधा मिलेगी।

मरम्मत के लिए प्रस्तावित सड़कें

- नसीबपुर से खोड़मा वाया ढाणी किरारोद (7.3 किमी)
- मांदी से शाहपुर अव्वल होते हुए नारनौल (2.7 किमी)
- कुतबापुर से बड़कोदा (1.98 किमी)
- पीडब्ल्यूडी रोड से स्पोर्ट्स स्टेडियम सिहमा (600 मीटर)
- गोद से मोहनपुर (4.1 किमी)
- पटीकरा से शाहपुर दोयम (3.6 किमी)

इन सड़कों के मरम्मत कार्य से ग्रामीण क्षेत्रों की पुरानी टूटी-फूटी सड़कों की समस्या दूर होगी और यातायात व्यवस्था बेहतर बनेगी।

किसानों और ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ

ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से कच्चे और उबड़-खाबड़ रास्तों की समस्या बनी हुई थी। बरसात के दिनों में कीचड़ और जलभराव के कारण वाहन फंस जाते थे, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। नई पक्की सड़कों के निर्माण से यह समस्या पूरी तरह समाप्त होने की उम्मीद है। अब किसान आसानी से अपनी फसल को बाजार तक पहुंचा सकेंगे और ग्रामीणों का आवागमन भी सुगम हो जाएगा।

मरम्मत की सड़कों को मंजूरी का इंतजार

नई सड़कों के साथ-साथ क्षेत्र की कई पुरानी सड़कों के मरम्मत का भी प्रस्ताव तैयार किया गया है। इन प्रस्तावों को मार्केट कमेटी की कंस्ट्रक्शन ब्रांच द्वारा उच्चाधिकारियों को भेजा गया है और मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है।

नारनौल। गांव सागरपुर में खराब पानी के बोर पर प्रदर्शन करती महिलाएं।

सागरपुर में एक माह से एससी बस्ती की पेयजल लाइन खराब

- भीषण गर्मी में पानी की बूंद-बूंद को तरसी महिलाएं
- डीसी से लेकर सीएम विंडो तक लगाई गुहार, नहीं हुआ कोई समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

अटेली विधानसभा के गांव सागरपुर में पानी के जोहड़ के पास बने पेयजल आपूर्ति के बोर के पाइप की लाइन को खराब हुए लगभग एक माह बीत चुका है। पेयजल की बोर लाइन खराब होने के कारण इसके नजदीक लगती एससी बस्ती की महिला बीना, मुकेश, पूजा, निर्मला, कृपा, ज्योति रानी, कविता, कला देवी ने बताया कि भीषण गर्मी में इस पानी के बोर को खराब हुए एक महीना से ज्यादा का समय बीत चुका है। जिसके चलते उन्हें दूर दराज से सिर पर पानी लाना पड़ता है। भाषण गर्मी में वे पेयजल की बूंद बूंद के लिए परेशान हो रही हैं। सागरपुर एससी बस्ती से राहुल भगवाडिया ने बताया कि इस खराब बोर की लाइन के सुधार के लिए वे अनेक बार जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों से लेकर अधिकारियों से टूटी पाइप लाइन को बदलने की गुहार समाधान शिविर में लगा चुके है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। अब उन्होंने सीएम विंडो व डीसी को भी इसकी लिखित शिकायत की है।

अधिकारियों को चेतावनी

उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आम जनता की समस्या की कोई परवाह नहीं है और ये लोग जनता को परेशान करके सरकार की छवि जनमानस में खराब करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि जल्द ही उनकी इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे चंडीगढ़ जाकर मुख्यमंत्री से मिलकर उनकी शिकायत करेंगे। एससी बस्ती की महिलाओं ने खाली मटकों के साथ खराब पड़े पानी के बोर के सामने खड़े होकर जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजनाः जिले के 20 बुजुर्ग श्री नांदेड़ साहिब के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से सिरसा रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत विशेष ट्रेन में जिला महेंद्रगढ़ के 20 लाभार्थी भी सफर में शामिल हुए। ये सभी श्रद्धालु शुक्रवार रात लगभग 10 बजे दादरी व रेवाड़ी रेलवे स्टेशन से इस विशेष ट्रेन में सवार हुए। पांच दिवसीय इस धार्मिक टूर के दौरान सभी तीर्थयात्री सिखों के पवित्र धर्मस्थल श्री नांदेड़ साहिब के दर्शन करेंगे। जिला प्रशासन की ओर से सभी यात्रियों को सुगम यात्रा के लिए आवश्यक दिशानिर्देश देकर रवाना किया गया। इस यात्रा पर रवाना हुए लाभार्थियों ने बताया कि सरकार की इस जनकल्याणकारी योजना का लाभ उठाना बेहद सरल रहा। सभी तीर्थयात्रियों ने सरल पोर्टल पर अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराया था, जिसके बाद पात्रता की जांच कर उनका चयन किया गया। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी प्रक्रिया अपनाकर सरकार ने बुजुर्गों को बिना किसी परेशानी के घर बैठे तीर्थ यात्रा की सुविधा प्रदान की है।

यह पांच दिवसीय यात्रा बुजुर्गों के लिए न केवल धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि उनके जीवन में एक नई ऊर्जा और शांति का संचार करने वाली साबित होगी। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना विशेष रूप से उन बुजुर्गों के लिए तैयार की गई है।

नारनौल। रेवाड़ी से श्री नांदेड़ साहिब के दर्शन के लिए रवाना होते तीर्थ यात्री।

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने की बैठक

- पंचायत भवन में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने मांगों को पूरा करने के लगाए नारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा सम्बंधित एआईयूटीयूसी की ओर से पंचायत भवन में जिला प्रधान पवन कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने मांगों को पूरा करने के नारे लगाए।

इस दौरान ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का अपनी लम्बित मांगों के पूरा नहीं होने पर सरकार के प्रति आक्रोश साफ दिखाई दे रहा था। जिला ने ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सफाई कर्मचारी 2007 से साफ सफाई कर गांवों को साफ सुथरा रखने का काम कर रहे हैं, ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के इस बेहद महत्वपूर्ण जरूरी काम से ग्रामीणों को गन्दगी जनित बीमारियों से बचाने का काम कर रहे हैं, लेकिन कर्मचारियों की 19 साल की संतोषजनक सेवाओं के बाद भी सरकारी कर्मचारी का दर्जा प्रदान कर नियमित घोषित नहीं किया है और न ही न्यूनतम वेतन 26000 लागू किया है। ऐसे में बढ़ती मंहगाई में कर्मचारियों के परिवार का जीवनयापन दूभर हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 24 नवंबर 2024 की घोषणा को भी अभी क्रियान्वयन नहीं किया है। इस मौके पर सोनू, सतबीर, पवन, सत्यनारायण, शंकुतला, अनिल, नवीन, बिजेंद्र, प्रवीन, कोका, सुरेश, किरपा, मनोज आदि उपस्थित थे।

नारनौल। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मांगों को शीघ्र पूरा करें

एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह ने कर्मचारियों की मांगों को वाजिब बताते हुए सरकार से तत्काल स्वीकार करने की मांग की। बैठक में सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन तैयार कर भिजवाया गया और ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की लम्बित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की गई। अन्यथा जोरदार आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को नियमित कर्मचारी का दर्जा देने, न्यूनतम वेतन 26000 रुपये लागू करने, ईएसआई व पीफ को विधिवत तरीके से लागू करने, ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाते हुए सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त 10 लाख रुपये व पुरानी पेंशन योजना लागू कर ग्रेच्यूटी लाभ देने, ड्रेस की राशि व अन्य भत्ते मंहगाई को देखते हुए दोगना करने, सभी ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को स्वचालित वाहन देने की मांग की।

शनि जयंती पर बाबा तेजादास आश्रम में भंडारा लगाया

वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हुआ हवन हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

शनि जयंती के अवसर पर गांव पटीकरा स्थित बाबा तेजादास आश्रम में शनिवार को विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में दूर-दूर से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। आश्रम के महंत नंदकिशोर दास महाराज ने बताया कि सुबह 9:15 बजे पंडित संजय द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ धार्मिक अनुष्ठान आरंभ किया गया। मुख्य यजमान विनोद यादव, डॉ. अभिषेक, संदीप सहित अन्य श्रद्धालुओं ने विधिवत हवन में आहुति डालकर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। हवन संपन्न होने के पश्चात श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से शनि देव की आरती की। इसके बाद भंडारे का भोग लगाया गया तथा पांच कन्याओं एवं ब्राह्मणों को भोजन करवाकर भंडारे का शुभारंभ किया गया। पूरे दिन आश्रम परिसर में धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने शनि देव के जयकारों के साथ पूजा-अर्चना की। आयोजन में सेवादारों ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण एवं व्यवस्थाओं में सहयोग दिया।

नारनौल। शनि जयंती पर प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

कनीना। श्री शनिदेव मंदिर गुढ़ा में हवन कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

श्री शनिदेव महाराज मंदिर में हुई मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा

कनीना। गांव गुढ़ा स्थित दादा छाजुवीर आश्रम में शनिवार को भक्तिमय वातावरण के बीच नवनिर्मित श्री शनिदेव मंदिर का तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। ज्येष्ठ माह की अमावस्या व शनिदेव जयंती के अवसर पर आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत की। सूबेदार मेजर अशोक कुमार खोला के सानिध्य में आयोजित इस समारोह की शुरूआत सुबह साढ़े नौ बजे हुई। जिसमें वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्री शनिदेव महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसके हवन का किया गया। जिसमें पंडितों व ग्रामीणों ने जनकल्याण व विश्व कल्याण के लिए आहुति डाली। अशोक यादव ने बताया कि इस तीन दिवसीय अनुष्ठान की शुरूआत 14 मई को कलश स्थापना के साथ हुई थी। वीरवार को भगवान शनिदेव की प्रतिमा के साथ नगर भ्रमण व शोभायात्रा निकाली गई थी। वहीं शनिवार को अंतिम दिन मंदिर परिसर में सुबह से श्रद्धालु एकत्रित होने लगे थे। प्राण प्रतिष्ठा व हवन के उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं को ऋतुफल व बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर डॉ. विजय शर्मा, धर्मेंद्र यादव, दीपक यादव, जितेंद्र, महावीर सिंह, अजय कुमार, रोहताश यादव, रामकिशन सैन, प्रताप सिंह, भगवंत सिंह, प्रकाश, शिशपाल, रामेश्वर यादव, विजय सिंह, मनोज कुमार, जसवंत सिंह, सुनील कुमार आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

लिंग जांच करना दंडनीय अपराधः डॉ. नीरज गुर्जर

नांगल चौधरी। लिंगानुपात सुधार एवं गर्भवती पंजीकरण को लेकर पीएचसी बायल के अंतर्गत गांव नांगल दुर्गू व मूसनोता में ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज गुर्जर व सरपंच पूर्णमल मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने ग्रामीणों को लिंग जांच व भ्रूण हत्या पर अंकुश लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर व एएनएम स्टॉफ को नवविवाहित महिलाओं पर नजर रखने की जरूरत है।

जून तक जमा करें बकाया संपत्ति कर

मंडी अटेली। नई अधिसूचना के तहत नगर पालिका क्षेत्र के संपत्ति करदाताओं को बड़ी राहत दी गई है। नगर पालिका सचिव प्रशांत पाराशर ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2010-11 से 2024-25 तक के लंबित संपत्ति कर बकायों पर ब्याज में विशेष छूट प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार के शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा 15 मई 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार यदि करदाता 30 जून 2026 तक अपना बकाया संपत्ति कर जमा करवा देते हैं और 'संपत्ति कर बकाया भुगतान एवं बकाया प्रमाणपत्र प्रबंधन प्रणाली पोर्टल' पर अपनी संपत्ति की जानकारी स्व-प्रमाणित करते हैं तो उन्हें ब्याज में एकमुश्त 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों पर हुआ सम्मान समारोह

परिश्रम, अनुशासन व सकारात्मक सोच से ही प्राप्त होती है सफलता : अशोक

महेंद्रगढ़। मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल चामधेड़ा रोड परिसर में 12वीं कक्षा के उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के उपलक्ष्य में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

विद्यालय के कॉर्डिनेटर भूपेन्द्र सैनी ने बताया कि इस वर्ष 18 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, जबकि 53 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान बनाकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अशोक कुमार यादव ने मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि सफलता केवल भाग्य से नहीं मिलती, बल्कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। चेयरमैन सतन सिंह यादव ने कहा कि यह उपलब्धि शिक्षकों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और विद्यार्थियों के समर्पण का परिणाम है। विद्यालय का उद्देश्य केवल अकादमिक सफलता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया तथा विद्यालय परिवार ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

सीबीएसई 12वीं परिणाम में यदुवंशी स्कूल का रहा शानदार प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में यदुवंशी विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन किया। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा और अभिभावकों ने बच्चों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शिक्षकों व प्रबंधन का आभार जताया। विद्यालय की भारती यादव (पुत्री अशोक कुमार) ने 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। नीतू (पुत्री अजय सिंह) ने 97.8 प्रतिशत के साथ दूसरा स्थान तथा रिया (पुत्री विक्रम) ने 97.6 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय का समग्र परिणाम भी बेहद शानदार रहा, जिसमें 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 60 रही, जबकि 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 197 विद्यार्थी रहे। कुल 547 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर संस्थान की उपलब्धि को और मजबूत किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। भूगोल, अर्थशास्त्र, संगीत और चित्रकला जैसे विषयों में कई छात्रों ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। वहीं रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान और अकाउंटेंसी जैसे विषयों में भी 99 तक अंक प्राप्त हुए। भौतिक विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी में 97-97 अंक तथा बिजनेस स्टडीज में 98 अंक प्राप्त कर विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता मेहनत, अनुशासन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव और ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दा देदांता स्कूल में हुई विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

नारनौल। दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के वैज्ञानिक ज्ञान, तर्कशक्ति व आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाउस वाइज विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा छठी से नौवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने विज्ञान विषय से संबंधित प्रश्नों के उत्तर बड़ी समझदारी और आत्मविश्वास के साथ दिए। प्रतियोगिता में विभिन्न हाउसों के बीच रोचक मुकाबला हुआ, जिसमें शक्ति हाउस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 47 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। जिनमें केटलीन पुत्री सोमदत्त, प्रणव पुत्र प्रीतम, अभि राव पुत्र संजय, शगुन पुत्री मुकेश रहे। वहीं धर्म हाउस ने 35 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जिनमें उदित पुत्र बलजीत सिंह, मानव पुत्र मनोज, अन्वी पुत्री संदीप यादव, अंशुमान पुत्र अनिल रहे।

विद्या देवी स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

नारनौल। विद्या देवी इंटरनेशनल स्कूल के 10वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थी परीक्षा परिणामों में छाए। बारहवीं कक्षा में कला संकाय में मनीषा ने 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, समीर ने 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय, यतिन ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं विज्ञान संकाय में जानवी ने 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, आदिति यादव ने 93.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय, ऋतु ने 93 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10वीं में छात्रा यतिका ने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे अटेली ब्लॉक में प्रथम स्थान हासिल किया। खुशी ने 97.6 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय, प्रियांशु ने 97 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। यतिका ने अंग्रेजी में, खुशी ने विज्ञान, खुशी व प्रियांशु ने सामाजिक विज्ञान, संस्कृत विषय में मीनाक्षी (प्रदीप), मीनाक्षी (सरजीत), यतिक व तमन्ना ने 100 अंक प्राप्त कर विशेष उपलब्धि हासिल की। इस अवसर पर विद्यालय चेयरमैन तेजपाल यादव, निदेशक विक्रांत यादव, प्राचार्य राजकुमार यादव ने विद्यार्थियों व पीजी स्टाफ को मोमेंटो व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सरस्वती स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। कामयाबी पर खुशी मनाते शिक्षक, अभिभावक व विद्यार्थी।

सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद संस्था के चेयरमैन दयाराम यादव ने 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में टॉपर विद्यार्थियों के अभिभावक व शिक्षक स्टॉफ उपस्थित रहा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में प्रतिभा होती है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने और सही दिशा देने की होती है। शिक्षक विद्यार्थियों की क्षमता और रुचि को समझकर उन्हें उचित मार्गदर्शन दें, ताकि बच्चे अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकें। साथ ही अभिभावकों से भी बच्चों की रुचि के अनुसार पढ़ाई में सहयोग करने का आह्वान किया।

कहा कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम अत्यंत सराहनीय रहा। 12वीं कक्षा की परीक्षा में कुल 91 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 55 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान बनाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। विशेष उपलब्धि यह रही कि 12 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता शिक्षकों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग व बच्चों की लगन का परिणाम है। कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान कर्मठ शिक्षकों को भी प्रशंसा पत्र व स्मृति चिह्न देकर प्रोत्साहित किया।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल में हुई ड्राइंग प्रतियोगिता

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा दूसरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए अपनी कला एवं कल्पनाशक्ति का सुन्दर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की ओर से बनाई गई आकर्षक चित्रकलाओं ने सभी का मन मोह लिया।

चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव व वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों की सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ कला और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य अजीत सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को मंच प्रदान करना विद्यालय का मुख्य उद्देश्य है। निर्णायक मंडल में विद्यालय की शैक्षणिक निदेशिका डॉ. रविन्द्रा यादव, कोर्डिनेटर रितु शर्मा, किड्स ब्लॉक की इंचार्ज विजय सोनी व ड्राइंग अध्यापिका मनीषा शामिल रही। सभी विजेताओं को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

गुरु द्रोणाचार्य स्कूल का परीक्षा परिणाम सराहनीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। गुरु द्रोणाचार्य स्कूल के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। विद्यालय में मैट्रिक कक्षा में 50 बच्चों ने परीक्षा दी। इनमें से 13 बच्चों ने राज्य स्तरीय में सूची में स्थान प्राप्त किया। आठ बच्चों में जिला स्तरीय मेरिट सूची में अपना नाम दर्ज करवाया तथा 29 बच्चों ने प्रथम श्रेणी में यह परीक्षा उत्तीर्ण की। इस परीक्षा परिणाम की शानदार उपलब्धि के लिए सम्मान यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान यात्रा ढाणी किरारोद, नई ढाणी, मंडलाना, धरसूं, हाजीपुर, सिहार, निवाजनगर, सिलारपुर आदि गांव से निकाल गई। इस दौरान अभिभावकों ने बच्चों का फूल माला पहनकर स्वागत किया। इसमें समा पुत्री धर्मेंद्र ने 465, उमेश कुमार पुत्र टेकचंद 463, युवराज पुत्र सुनील कुमार ने 444, अंकिता पुत्री नरसी 436, यश वर्मा पुत्र नरेश कुमार ने 435, खुशाल पुत्र नवीन ने 433, यश यादव पुत्र सतवीर 427, यश सैनी पुत्र विशाल ने 424, लखनजीत पुत्र धर्मवीर ने 423, सागर प्रताप सिंह पुत्र नरेश ने 416, रक्षित पुत्र अनिल कुमार ने 409, शिवानी पुत्री सुरेश कुमार ने 408, निधि पुत्री राजकुमार ने 407 अंक लेकर राज्य स्तरीय मेरिट सूची में अपना नाम दर्ज करवाया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार, प्राचार्य नेतराम सैनी, मैनेजिंग डायरेक्टर पूजन सैनी, वाइस चेयरमैन कुलदीप ने बच्चों को बधाई दी। इस मौके पर कमल सिंह, कृष्ण कुमार, धर्मपाल, मनोज कुमार, मुकेश कुमार, दरियाव सिंह, अंकित सैनी, हेमंत सैनी, प्रवीण सैनी, प्रिया श्रीवास्तव, सुनीता यादव, पूजा आदि मौजूद रही।

नेशनल मॉडल स्कूल महेंद्रगढ़ में हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

महेंद्रगढ़। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। नेशनल मॉडल स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 10वीं कक्षा की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य ओम प्रकाश यादव ने बताया कि सभी छात्र मेरिट में उत्तीर्ण हुए हैं। दीपांशु (पुत्र सुमिंद्र सिंह) ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। तनुजा (पुत्री सुमिंद्र कुमार) ने 94.2 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान और पायल (पुत्री धर्मवीर सिंह) ने 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा पूनम ने 88.8 प्रतिशत, रिया ने 88 प्रतिशत, हिमांशी ने 85.8 प्रतिशत तथा यश शर्मा ने 83.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। विद्यालय के अध्यक्ष प्रमोद शास्त्री ने इस उपलब्धि पर प्राचार्य, स्टाफ, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बोर्ड परीक्षा में सैनी स्कूल ने लहराया परचम

10वीं में शिखा ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। सैनी स्कूल के विद्यार्थी व स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

सैनी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया है। विद्यालय का कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा, जबकि कक्षा 12वीं का परिणाम भी अत्यंत सराहनीय रहा। कक्षा 10वीं में शिखा ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा जानवी ने 94 प्रतिशत, नेहा ने 92, कल्पना ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सामाजिक विज्ञान विषय में माही ने 100, शारीरिक शिक्षा में नेहा ने 100, विज्ञान में कल्पना ने 97, अंग्रेजी में जानवी ने 97, हिंदी में शिखा ने 92, गणित में जानवी ने 90 अंक प्राप्त किए। कक्षा 12वीं में ज्योति ने 419 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। चांदनी ने 413 अंक, चांदनी ने 409 अंक, लक्ष्मी ने 406 अंक, वासुदेव ने 405 अंक पाए। इस मौके पर सैनी सभा प्रधान बिशन सैनी, प्राचार्य हुकमचन्द सैनी ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी।

वैदिक स्कूल चिंडालिया का परीक्षा परिणाम सर्वश्रेष्ठ

नारनौल। वैदिक स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की ओर से जारी 10वीं कक्षा परीक्षा परिणाम में वैदिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चिंडालिया के बच्चों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। सभी 33 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से ऊपर अंक लेकर मेरिट सूची में अपना नाम दर्ज करवाया। जिसमें अन्वी पुत्री सुरेश कुमार 477 अंक लेकर प्रथम, शिवम पुत्र धर्मेंद्र 472 अंक के साथ द्वितीय, मीनू पुत्री सुजान सिंह ने 471 अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार हरियाणा विद्यालय की ओर से जारी 12वीं कक्षा के परिणाम में सभी 45 छात्रों उत्तीर्ण रहे व 39 छात्रों ने 80 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त किए। जिनमें अंतिम पुत्री बिल्लू ने 469 अंक लेकर प्रथम, रितिका पुत्री मुकेश कुमार ने 465 अंक लेकर द्वितीय, निधि पुत्री नवीन कुमार ने 451 अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्था अध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी पूरे क्षेत्र में वैदिक सीनियर सेकेंडरी का परीक्षा परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा।

सिटी वर्ल्ड स्कूल में 12वीं का परिणाम रहा शत-प्रतिशत

महेंद्रगढ़। सिटी वर्ल्ड स्कूल पालड़ी-पनिहार में शनिवार को सीबीएसई 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय की निदेशिका स्नेहा लता ने बताया कि इस वर्ष 12वीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। विज्ञान संकाय में तेजस वशिष्ठ ने 89.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान तथा मोहित ने 84 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों ने विषयवार भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमें केमिस्ट्री में 98 अंक, फिजिकल एजुकेशन में 93, पेंटिंग में 91, म्यूजिक में 89, फिजिक्स व अंग्रेजी में 86-86 तथा बायोलॉजी में 84 अंक प्राप्त किए गए। मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन यादव ने विद्यार्थियों को बधाई दी। वहीं चेयरमैन विजय सिंह यादव ने भी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का कार्य कर रहा है।

रामपुरा पीएचसी में मासिक बैठक, अवैध लिंग जांच पर कड़ी निगरानी के दिए निर्देश

एचपीवी टीकाकरण व बेटी बचाओ अभियान पर स्वास्थ्य विभाग सख्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। रामपुरा पीएचसी में मीटिंग करते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरा में शुक्रवार को आशा कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन एसएमओ डॉ. अंजली सैनी एवं प्राथमिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन शर्मा के नेतृत्व में किया गया। बैठक में आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, एमपीएचडब्ल्यू, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स, खंड आशा समन्वयक प्रवीण शर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित विभिन्न जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में 14 वर्षीय किशोरियों के एचपीवी टीकाकरण को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पात्र लाभार्थियों की पहचान कर अभिभावकों एवं समुदाय को टीकाकरण के लाभों के प्रति जागरूक करें, ताकि सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए अधिकतम टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके। कम लिंग अनुपात वाले गांवों में चलेंगे अभियान एसएमओ डॉ. अंजली सैनी ने निर्देश दिए कि जिन गांवों में लिंग अनुपात कम है, वहां आशा, एएनएम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के समन्वय से "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां चलाई जाएं। इसके तहत जनजागृति रैलियां, नुक्कड़ नाटक, सामुदायिक बैठकें एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर कन्या संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और लिंग समानता को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। अवैध लिंग जांच करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई बैठक में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत अवैध लिंग जांच एवं भ्रूण लिंग चयन जैसी गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाओं पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके।

बापडौली में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

नारनौल। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत गांव बापड़ोली में स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन पीएचसी बलाहा कलां के मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज डॉ. निखिल बहल एवं डॉ. ज्योत्सना यादव के नेतृत्व में किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कुल 60 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की। इनमें से 50 लोगों के चेस्ट एक्स-रे किए गए, जबकि जांच के दौरान 10 संभावित टीबी मरीजों के बलगम के सैंपल लेकर आगे की जांच के लिए भेजे गए। सभी मरीजों का डाटा निक्षय पोर्टल पर भी अपडेट किया गया।

शोभापुर में स्व. अमरचन्द की स्मृति में लगाया वाटर कूलर

नारनौल। गांव शोभापुर में स्वर्गीय अमर चन्द की स्मृति में उनके परिवार ने सराहनीय सामाजिक कार्य करते हुए सार्वजनिक स्थान पर वाटर कूलर भेंट किया गया। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों व ग्रामीणों की उपस्थिति में वाटर कूलर का शुभारंभ किया गया। स्वर्गीय अमर चन्द की पत्नी लीला देवी, पुत्र ललित शर्मा एडवोकेट व राजकुमार शर्मा ने यह सेवा कार्य समाज हित में समर्पित किया। गर्मी के मौसम में राहगीरों व ग्रामीणों को ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने हेतु यह पहल की गई, जिसकी ग्रामीणों ने खूब प्रशंसा की। इस मौके पर रामबिलास शर्मा, अनिल, विजय, राजसिंह डेलीगेट, रोशनलाल यादव, राहुल, विक्रम, मोहित, दिनेश जसोरिया आदि मौजूद थे।

सराफा कारोबारियों ने जताई चिंता, बोले बढ़ सकती है स्मैगलिंग और अपराध

नारनौल में पहले की तरह ही बिक रहे सोने-चांदी के आभूषण इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने के बावजूद बाजार में ग्राहकों की भीड़ बरकरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

बेशक से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत 11 मई को हैदराबाद सभा में सार्वजनिक तौर पर देशवासियों से एक साल के लिए सोना खरीदना बंद करने की अपील की हो, लेकिन हकीकत में इस अपील का ग्राउंड पर कोई असर नजर नहीं आ रहा, क्योंकि बाजार में सराफा कारोबारियों के पास अब भी ग्राहक पहले की भांति ही बदस्तूर पहुंच रहे हैं। ग्राहक अपनी जरूरत खास ब्याह-शादी के लिए न केवल सोना, अपितु चांदी के भी आभूषण खरीद रहे हैं।

उधर केंद्र सरकार द्वारा 13 मई से सोने और चांदी पर आयात शुल्क (इंपोर्ट ड्यूटी) 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने के बाद भी खरीददारी में कोई कमी नजर नहीं आ रही। हालांकि कारोबारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में कीमतों में और इजाफा हो सकता है। नारनौल शहर में करीब 40 सराफा दुकानें संचालित हैं, जबकि पूरे जिले में इनकी संख्या 80 से 85 के बीच बताई जा रही है। वहीं हरियाणा स्वर्णकार संघ के पदाधिकारी दयानंद सोनी ने प्रधानमंत्री की अपील को गलत करार देते हुए कहा कि यदि लोग वास्तव में एक साल तक सोना खरीदना बंद कर दें तो इससे देशभर के लाखों कारीगरों और व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में करीब 55 लाख कारीगर और लगभग 3 लाख कारोबारी इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। ऐसे में सोने की खरीददारी रुकने से बेरोजगारी बढ़ सकती है और स्वर्णकार वर्ग आर्थिक संकट में आ सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार को युद्ध और वैश्विक परिस्थितियों से होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई के अन्य विकल्प तलाशने चाहिए, ताकि आम कारोबार और रोजगार प्रभावित न हो।

नारनौल। सराफा व्यापारी के यहां गहने खरीदने पहुंची महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

मलमास के बाद कारोबार में गिरावट की संभावना

ज्वैलर्स एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट अजीत जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री की अपील का ग्राहकों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। लोग पहले की तरह ही खरीदारी करने बाजार पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी विवाह-शादी का सीजन चल रहा है, इसलिए बाजार में ग्राहकों की अच्छी आवाजाही बनी हुई है। उन्होंने बताया कि 17 मई से मलमास शुरू हो रहा है, जो करीब एक महीने तक चलेगा। हिंदू धर्म में मलमास के दौरान शुभ कार्य और विवाह-शादियां नहीं होतीं, इसलिए इस अवधि में सोना-चांदी की खरीददारी में गिरावट आने की संभावना है। अजीत जैन ने सरकार द्वारा इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने के फैसले पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि इससे सोने और चांदी की कीमतों में और बढ़ोतरी होगी, जिससे आम आदमी पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। साथ ही स्मैगलिंग और चोरी जैसी घटनाओं में भी इजाफा हो सकता है। उन्होंने कहा कि 6 प्रतिशत से सीधे 15 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाना व्यापार और उपभोक्ता दोनों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

कारोबारियों ने कहा-उद्योग पर पड़ेगा नकारात्मक असर

नारनौल सराफा एसोसिएशन के प्रधान सुरेंद्र सोनी ने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील से कुछ लोग जरूर प्रभावित हुए हैं, लेकिन बाजार की स्थिति सामान्य बनी हुई है। ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार आभूषण खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने के कारण सोने के दामों में तेजी आई है, हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार और रोजाना के उतार-चढ़ाव के चलते कुछ दिनों में मामूली गिरावट भी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि सोना भारतीय संस्कृति और पारिवारिक परंपराओं से जुड़ा हुआ है। विवाह और अन्य शुभ अवसरों पर लोग आभूषण खरीदना जरूरी मानते हैं, इसलिए केवल अपील से इसकी मांग में अचानक कमी आना संभव नहीं है।

खबर संक्षेप

आज और कल बिजली आपूर्ति रहेगी प्रभावित

सतनाली मंडी। 132 केवी सब स्टेशन सतनाली में खराब पैनल को बदलकर नए पैनल लगाए जाने के कार्य के चलते सतनाली घरेलू, यदुवंशी फीडर व सोहड़ी कृषि फीडरों की बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। निगम के एसडीओ हनुमान प्रसाद के अनुसार सब स्टेशन में 17 व 18 मई को सुबह नौ से सायं पांच बजे तक खराब पैनल को बदलकर नए लगाने का कार्य दो दिन चलेगा इस कारण उक्त फीडरों की बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

गोशाला में किया लाखों रुपये का दान

कनीना। शनिवार को अमावस्या के मौके पर श्रद्धालुओं ने श्रीकृष्ण गोशाला पहुंचकर गायों के चारे के लिए लाखों रुपये का दान दिया। इस दौरान श्याम सत्संग मंडल की प्रधान प्रेम देवी, सुनीता, शर्मिला, सरिता, पंकज, तारावती, राधा, सुरेश देवी, कांता, आशा, रामकला, ढोकलमल पार्क सत्संग मंडली प्रधान सोमवती, सविता, अनीता, सुनीता, विजयलक्ष्मी, अनीता देवी, सोमवती, नीलम, प्रवीण, मधु, लील, चंद्रो, संतोष सभी ने भजन कीर्तन किए। महेंद्र सिंह ने सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में गोशाला को 51 हजार रुपये, राकेश कुमार ने एक लाख का दान दिया।

आज सिहमा में लगेगा बाबा जाट वाले का रोट

मंडी अटेली। खंड सिहमा की बणी स्थित बाबा जाट वाले मंदिर में 17 मई को श्रद्धा और भक्ति के साथ दाल एवं चूरमे का विशाल रोट लगाया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्रभर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा का प्रसाद ग्रहण करने पहुंचेंगे।जानकारी देते हुए सरपंच सुमन यादव ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह नौ बजे मंदिर प्रांगण में विधि-विधान से हवन यज्ञ के साथ होगी। इसके पश्चात बाबा के दरबार में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं को दाल-चूरमे का प्रसाद वितरित किया जाएगा।उन्होंने बताया कि आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

अगिहार में मनाया गया डेंगू दिवस

कनीना। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धनौंदा के तहत शनिवार को अगिहार में डेंगू दिवस मनाया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने ग्रामीणों को डेंगू से बचाव व सतर्कता बरतने के लिए जागरूक किया। बहुउद्देशीय कार्यकर्ता कुलदीप यादव व हेल्थ इंस्पेक्टर पवन कुमार ने ग्रामीणों को बताया कि डेंगू बुखार एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। स्वास्थ्य कर्मियों ने जोर दिया कि सावधानी ही डेंगू से बचाव का तरीका है। इसके लिए अपने आसपास सफाई रखें।

सीसीटीवी के तार काटे, तेजधार हथियार से ताले तोड़े, स्टाफ कमरे को किया बंद

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के आवास पर आधी रात बदमाश घुसे

- स्टाफ को बंद दरवाजे से बाहर देखा... संदिग्ध के हाथ में थी पिस्टल
- शोर मचाने पर बदमाश भागे
- कुछ दिनों से राव नरेंद्र प्रदेश में अपराधी घटना के विरोध में दे रहे हैं बयान
- राव नरेंद्र के बड़े भाई राव देवेंद्र ने महावीर पुलिस चौकी व एसपी को दी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह बीते कई दिनों से प्रदेश में कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे है। इसी बीच शुक्रवार की रात शहर में उनके पुश्तैनी आवास पर बदमाशों ने एंट्री की। ताले को तोड़ा गया। सीसीटीवी कैमरे की तार भी काटी गई। स्टाफ के दरवाजे की बाहर से कुंडी लगा दी गई। इसी बीच स्टाफ महिला शौच के लिए उठी तो दरवाजा नहीं खुलने पर खिड़की से झाका तो बाहर पहलवान टाइप के कुछ लोग खड़े दिखाई दिए। यह देख महिला ने शोर मचाते हुए पति को उठाया। पति ने दूसरे कमरे में सो रहे राव नरेंद्र सिंह के बड़े भाई राव देवेंद्र को फोन पर सूचना दी। इस शोर शराबे के बीच बदमाश वहां से भाग खड़े हुए। गनीमत रही कि वरना मकान में राव नरेंद्र सिंह के भाई राव देवेंद्र सिंह, उनकी पत्नी, बेटे और दो मासूम बच्चियों सहित पूरा परिवार सो रहा था।

राव नरेंद्र सिंह

सूत्र बताते है कि सीसीटीवी कैमरा की डीवीआर खराब स्थिति में है। इस मामले में राव नरेंद्र सिंह के बड़े भाई ने एसपी को शनिवार शिकायत दी है। राव देवेंद्र सिंह ने बताया कि 15 मई की रात और 16 मई की अलसुबह करीब तीन बजे चार से पांच हट्टे-कट्टे बदमाश साथ वाले प्लॉट की दीवार लांघकर घर के पिछले हिस्से में दाखिल हुए। बदमाशों ने सबसे पहले सुरक्षा तंत्र को ध्वस्त करने के लिए सीसीटीवी कैमरे के तार काट दिए। इसके बाद उन्होंने सर्वेंट क्वार्टर में सो रहे कर्मचारियों के कमरों को बाहर से बंद कर दिया ताकि कोई विरोध न कर सके। बदमाशों ने घर के मुख्य पिछले दरवाजे पर लगे मजबूत ताले को किसी कटर या तेजधार हथियार से काट डाला और कुंडी भी तोड़ दी।

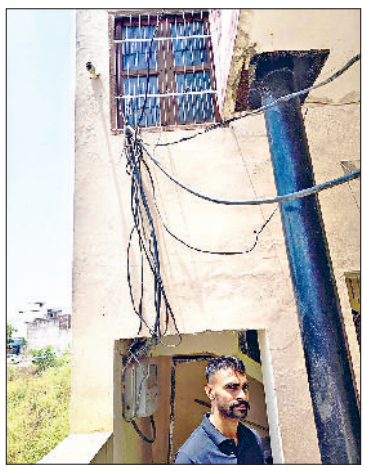

नारनौल। साइड में पड़े खाली प्लाट से बदमाशों ने की थी एंट्री व सीसीटीवी कैमरा के काटे तार।

एक के हाथ में थी रिवॉल्वर व कुल्हाड़ी

जब वो यह सब कर रहे थे, तो सर्वेंट क्वार्टर में सोए हमारे स्टाफ की आंख खुल गई। उन्होंने लाइट जलाई व कमरे से बाहर आने का प्रयास किया तो देखा कि दरवाजे की कुंडी बाहर से बंद है। खिड़की से अंधेरे में वह यह देख पाए कि बदमाश हट्टे कट्टे थे व उनमें से एक के हाथ में कोई पिस्टल या रिवॉल्वर था। कुल्हाड़ी या कोई तेज धार हथियार भी था। मौके पर कटा हुआ ताला, कूंडी, कटी हुई सीसीटीवी की तार व दीवार पर जूते के निशान इत्यादि सब देखे जा सकते है। घटना के तुरंत बाद पीड़ित परिवार ने रात 3:20 बजे पुलिस कंट्रोल रूम के आपातकालीन नंबर 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कटे हुए ताले, जूतों के निशान और कटे तार बरामद किए।

लॉरेंस बिश्नोई व शराब माइनिंग माफिया से रंजिश की आशंका

शिकायतकर्ता राव देवेंद्रसिंह ने बताया है कि भाई राव नरेंद्र सिंह ने अलग अलग क्रिमिनल गैंग्स का नाम लेकर हरियाणा और केंद्र सरकार से कार्रवाई की बार बार मांग की है, वो चाहे लॉरेंस बिश्नोई गैंग हो, अर्शदीप दल्ला गैंग हो, रोहित गोदारा गैंग हो, विकास लागरपुरिया गैंग हो, संदीप उर्फ काला जठेड़ी गैंग हो, हिमांशु उर्फ भाऊ हो, नीरज बवाना गैंग हो, कौशल चौधरी गैंग हो, सूबे गुर्जर गुड़गांव गैंग हो इत्यादि। यह भी सब जानते है कि इन सारे माफिया गैंग के तार अंतरराष्ट्रीय अपराधियों से जुड़े है तथा वे देश और दुनिया के अलग अलग कोनों से ऑपरेट करते हैं। भाई राव नरेंद्र सिंह ने एक चर्चा में यहां तक बताया कि अब ये सारे गैंग अपने अपराध को अंजाम देने के लिए एक नया तरीका अपनाएं हैं। ये अपराधिक गैंग 15 से 20 हजार रुपये में बहुत कम उम्र के युवाओं को हथियार देकर शूटर के तौर पर इस्तेमाल करते है और अपने अपराधों को अंजाम दिलवाते है। यहीं नहीं, राव नरेंद्र द्वारा लगातार न केवल नारनौल, महेंद्रगढ़ व मेवात के क्षेत्र में हो रही माइनिंग माफिया द्वारा अंधाधुंध लूट के खिलाफ आवाज उठाई है बल्कि नाजायज शराब माफिया, ड्रग्स माफिया, पेपर माफिया आदि के खिलाफ भी वह लगातार आवाज भी उठाते है तथा सरकार को इन सब अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए बाध्य भी करते है।

परिवार के पास नहीं है कोई सुरक्षा

शिकायतकर्ता ने बताया है कि उसके व उसके भाई राव नरेंद्र सिंह के नारनौल व गुड़गांव स्थित घरों में कोई सुरक्षा नहीं दी गई है। दो दिन पहले 14 मई को भाई राव नरेंद्र सिंह नारनौल आए। अपने सार्वजनिक कार्यक्रम किए। निवास पर लोगों से मिले और रात को अपने उपरोक्त निवास पर ही नारनौल में रूके। कल 15 मई को राव नरेंद्र सिंह नारनौल से अगले कार्यक्रमों में चले गए। अक्सर देर रात राव नरेंद्र सिंह कार्यक्रम समाप्त कर वापस लौट आते है, पर 15 मई को वह यमुनानगर होते हुए चंडीगढ़ चले गए।

एफएसएल व साइबर सैल टीम ने किया निरीक्षण

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की। वहां पर एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। साइबर सैल से मौके के डैम्प उठाए गए। शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ सिटी थाना में बीएनएस की धारा 3 (5), 305, 324 (4), 331 (4), 62 के तहत केस दर्ज किया गया है। वहीं पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि बीती रात (15-16 मई) करीब 3 बजे शिव कॉलोनी नारनौल स्थित एक मकान पर कुछ अज्ञात बदमाशों द्वारा आपराधिक नीयत से घुसपैठ कर तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। इस मामले में थाना सिटी नारनौल पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत तुरंत मुकदमा दर्ज कर लिया है।मामले में पुलिस द्वारा घटनास्थल और आसपास के इलाकों में सीसीटीवी और अन्य सुरागों की जांच की जा रही है। आरोपितों की जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की टीमें लगा दी गई हैं।

जिले में खुलेंगे खेलो इंडिया सेंटर

पूर्व खिलाड़ियों को मिलेगा हुनर तराशने का मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

खेल विभाग व भारतीय खेल प्राधिकरण साई ने प्रदेश में खेलों के स्तर को अंतरराष्ट्रीय मापदंडों तक पहुंचाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। इसी कड़ी में जिला खेल कार्यालय की ओर से जिले में खेलो इंडिया केंद्रों की स्थापना को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य ओलंपिक, एशियाई और कॉमनवेल्थ खेलों के लिए एक मजबूत आधार तैयार करना है, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को सही प्रशिक्षण और समान विकास के मार्ग मिल सकें। कार्यवाहक जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू ने बताया कि इन केंद्रों की स्थापना में उन संस्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके पास खेल के बेहतरीन मैदान और ट्रेनिंग से जुड़ी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस योजना का एक मुख्य पहलू पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों को कोचिंग के क्षेत्र में जोड़ना है।

आवेदन करने वाले खिलाड़ियों का चयन वरीयता के आधार पर होगा। इसमें सबसे पहले उन खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इसके बाद सीनियर नेशनल या खेलो इंडिया गेम्स के पदक विजेताओं और फिर ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को स्थान मिलेगा। अंत में उन खिलाड़ियों के नाम पर विचार किया जाएगा, जिन्होंने सीनियर नेशनल या खेलो इंडिया गेम्स में अपने राज्य का प्रतिनिधित्व किया है।

आवेदन के लिए आयु सीमा 40 वर्ष निर्धारित

आवेदन के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष निर्धारित की गई है, हालांकि विशेष और प्रतिभावान मामलों में इसमें छूट दी जा सकती है। जिले के सभी पात्र पूर्व चैंपियन एथलीटों से आह्वान किया है कि वे इस महत्वपूर्ण योजना का हिस्सा बनें। इच्छुक उम्मीदवार जल्द से जल्द नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम स्थित जिला खेल कार्यालय में पहुंचकर अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी व तकनीकी सहायता के लिए किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

खेड़की गांव में युवक पर कुल्हाड़ी से हमला, घायल

नारनौल। गांव खेड़की में एक युवक पर कुल्हाड़ी से हमला करने पर वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल नारनौल में भर्ती कराया गया। घायल युवक ने गांव के ही एक व्यक्ति पर हमला करने और लगातार धमकियां देने का आरोप लगाते हुए पुलिस कार्रवाई की मांग की है। घायल सुनील ने बताया कि वह नारनौल के नागरिक अस्पताल में कार्यरत है। वह अपने गांव के प्लॉट में बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव का निक्कू वहां पहुंचा और पीछे से उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। बचाव के दौरान कुल्हाड़ी उसके हाथ पर लगी, जिससे गहरा घाव हो गया। डॉक्टरों ने घायल हाथ में करीब 15 से 16 टांके लगाए हैं। सुनील ने बताया कि आरोपी पहले भी उस पर दो-तीन बार हमला कर चुका है और फोन पर धमकियां देता रहा है। पीड़ित ने बताया कि उसने मेडिकल जांच (एमएलआर) करवा ली है और मामले में पुलिस से उचित कार्रवाई की मांग की है।

अब मास्टर वॉलंटियर नहीं कहलाएंगे 'नशा मुक्ति मित्र'

केंद्र व हरियाणा सरकार ने बदला नाम, जिलों में लागू करने के निर्देश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नशा मुक्त भारत अभियान को जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी और जनसरोकारों से जुड़ा बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब अभियान के अंतर्गत कार्य करने वाले मास्टर वॉलंटियर को नशा मुक्ति मित्र के नाम से जाना जाएगा। इस संबंध में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आदेश जारी किए गए हैं, जिसके बाद हरियाणा सरकार ने भी सभी जिलों में नए नामकरण को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दे दिए हैं।

मंत्रालय की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि मास्टर वॉलंटियर शब्द आमजन के बीच उतना प्रभावी और आत्मीय नहीं माना जा रहा था। ऐसे में इसे अधिक सरल, जनसामान्य से जुड़ा और अभियान की भावना को स्पष्ट करने वाला नाम देने का निर्णय लिया गया। अब नशा मुक्ति मित्र नाम के माध्यम से युवाओं और समाज के बीच नशा विरोधी संदेश को अधिक मजबूती से पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के विभागीय पत्र क्रमांक 12-2/2020-डीपी-I दिनांक 27 अप्रैल 2026 के आधार पर हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय विभाग ने चार मई 2026 को सभी उपायुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। नारनौल में जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी पत्र में पुलिस अधीक्षक, उपमंडल अधिकारियों, तथा जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी समेत विभिन्न विभागों को इस बदलाव से अवगत कराया गया है।

जनगणना ड्यूटी में लगे शिक्षकों और स्टाफ को स्कूल-दफ्तर के कार्यों से मिलेगी छूट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

आगामी राष्ट्रीय जनगणना-2027 के सुचारू संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। महेंद्रगढ़ के उपायुक्त-सह-प्रधान जनगणना अधिकारी ने जिला शिक्षा अधिकारी, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी और डायट प्रधानाचार्य को एक आधिकारिक पत्र जारी कर जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है।

क्यों लिया गया यह फैसला

पत्र में स्पष्ट किया गया है कि जनगणना का यह कार्य बेहद महत्वपूर्ण है और मैदानी स्तर पर इसमें कई तरह की चुनौतियां शामिल हैं। कई प्रगणक ब्लॉक उनके नियमित कार्यक्षेत्र से काफी दूर हैं और कुछ ब्लॉकों का आकार भी काफी बड़ा है। जनगणना अधिनियम 1948 के प्रावधानों के तहत जनगणना से जुड़े कार्यों को अन्य सभी प्रशासनिक कार्यों पर प्राथमिकता दी गई है। इसी के मद्देनजर इन कर्मचारियों को तीन दिनों के लिए स्कूल-दफ्तर की जिम्मेदारियों से मुक्त किया गया है ताकि वे पूरा ध्यान जनगणना कार्य पर लगा सकें। इस फैसले से फील्ड में काम कर रहे शिक्षकों और सरकारी स्टाफ को काफी सुविधा होगी और वे तय समय सीमा के भीतर पहले चरण का डेटा जुटाने का काम पूरा कर सकेंगे।

18 से 20 मई तक मिलेगी हाजिरी से छूट

जारी किए गए पत्र के अनुसार जनगणना-2027 के पहले चरण का काम एक मई से शुरू हो चुका है, जिसे 31 मई तक पूरा किया जाना है। इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य को बिना किसी देरी के पूरा करने के लिए ड्यूटी पर तैनात सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को 18 मई से 20 मई तक उनके नियमित स्कूल और कार्यालय के कार्यों अथवा हाजिरी से छूट दी गई है।

नारनौल व कनीना में 3 नशा तस्करों को गांजे सहित पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर सख्ती से काम करते हुए थाना सदर नारनौल व थाना सदर कनीना की पुलिस टीमों ने अलग अलग मामलों में नशीले पदार्थों गांजा के साथ तीन आरोपितों को काबू करने में सफलता हासिल की है। दोनों ही मामलों में पुलिस की ओर से आरोपितों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वे यह नशीला पदार्थ कहां से लाते थे। पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि नशे का कारोबार करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में 2.43 किलो ग्राम गांजे के साथ पकड़े गए आरोपित। फोटो : हरिभूमि

पहला मामला

एक मामले में थाना सदर कनीना की पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव भोजावास के पास से एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि भोजावास निवासी प्रदीप मादक पदार्थ बेचने का काम करता है। इस पर पुलिस ने एक रेडिंग पार्टी तैयार कर मौके पर दबिश दी और आरोपित को काबू कर लिया। नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में जब आरोपित की तलाशी ली गई, तो उसके कब्जे से एक पॉलिथीन में 275 ग्राम गांजा बरामद हुआ। थाना सदर पुलिस ने आरोपित प्रदीप के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

दूसरा मामला

वहीं दूसरे मामले में थाना सदर नारनौल की पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान दो युवकों को भारी मात्रा में नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव हमीदपुर के पास मौजूद थी, तभी गुप्त सूचना मिली कि दो युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांजा लेकर आ रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस ने गांव मांखरी से दोचाना जाने वाले मार्ग पर नाकाबंदी कर दी। कुछ देर बाद मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आते दिखाई दिए, जिन्होंने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, लेकिन मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ने से वे नीचे गिर गए और पुलिस ने उन्हें काबू कर लिया। पूछताछ में उनकी पहचान खटोटी खुर्द निवासी हिमांशु व सतनाली निवासी मोहित के रूप में हुई। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में उनकी तलाशी ली गई, तो उनके पास मौजूद एक थैली से दो किलो 43 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ थाना सदर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

अब जन्मेंगे मनचाहे डिजाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

'नमस्कार डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चश्मा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्प्लेक्शन फेयर हो।'

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इंप्लांटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंब्रियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्म से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गेंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रीमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इंप्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चियों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

यूजेनिक्स क्या है

यूजेनिक्स एक ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अवांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोका जाता है, जो अकसर जबरन नसबंदी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाजी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।

जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।

बीमारियों से मुक्ति: इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।

बनगे सुपर ह्यूमन: जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

ब्लास्टोसिस्ट क्या है

ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रोफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियस' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या जीन को चुनकर/बदलकर विशेषताओं को 'डिजाइन' किया जा सकता है? क्या आप अंततः अपने बच्चे के जेनेटिक कोड को अपनी मर्जी से बना सकते हैं? समाज शास्त्री कहते हैं डिजाइनर बेबी तकनीक मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हो सकती है यदि इसका उपयोग केवल जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए किया जाए। लेकिन यदि इसे खूबसूरती और ताकत का पैमाना बनाया गया, तो यह मानवता के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। समाज में एक नए तरह का भेदभाव और विघटन पैदा कर सकता है। कई समाजशास्त्री चिंतकों का मानना है कि जीवन के साथ इस तरह का बदलाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघन होगा। कुछ वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक जेनेटिक स्क्रीनिंग और काउंसलिंग का इस्तेमाल माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। अगर समाज कुछ खास लक्षणों को बढ़ावा देता है, तो प्रजनन का चुनाव सामाजिक दबाव बन जाता है। व्यवहार, बुद्धिमत्ता या व्यक्तित्व जैसी चीजों के लिए भ्रूण की स्क्रीनिंग करना, पूर्व में सामने आए यूजेनिक्स पद्धति जैसा होगा, जिसमें यह कंट्रोल करने की कोशिश की गई थी कि किसे पैदा होने की इजाजत है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा। *

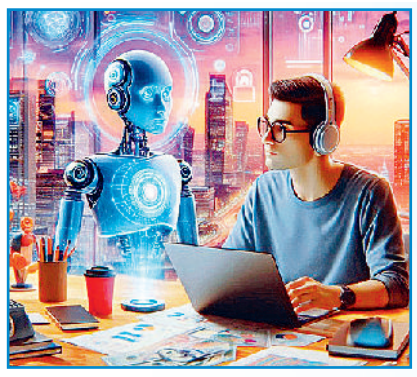

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हाई इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

{ अपकमिंग ट्रेंड }

अंजू जैन

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।

डेटा डिटेक्टिव: करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरा है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणित और लॉजिक पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स: वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फील्ड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गेनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग: चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्प्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्रयू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉम्पटिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।

कंटेंट क्रिएशन और इंफ्लुएंसर मार्केटिंग: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनफ्लुएंसर और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल गैरेज मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट: दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों को पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपकी प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए। *

{ कविता }

अवतार सिंह अक्षरजीवी

स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है।
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्मियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

पतझड़

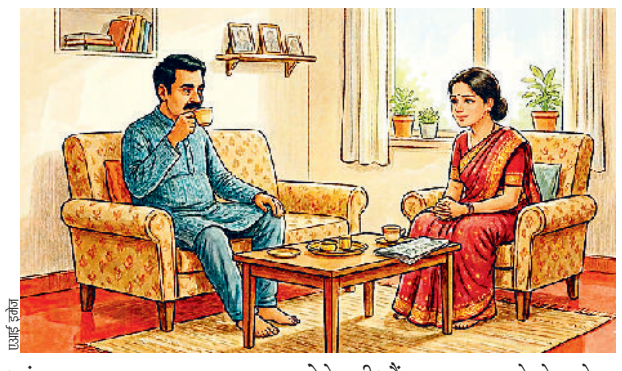

उसकी दरवाजे पर हल्की-सी वह दस्तक मुझे आज भी याद है। दरवाजे की सांकल खोलते ही उसे सामने पाया तो मैं एक बारगी ठगा-सा रह गया। सारा केश विन्यास अस्त-व्यस्त था, चेहरे की लालिमा कहीं खो सी गई थी। आंखों के नीचे स्याही की एक मोटी रेखा ने मुझे झकझोर दिया। मैंने उसके शांत लेकिन अंदर तक उद्वेलित चेहरे को पढ़ने का प्रयास किया। मुझे लगा कि वह नितांत अकेली वन में खड़ी एक प्यासी हिरनी सी है, जो अपने साथी के बिछड़ जाने पर अपनी गोल-गोल चपल आंखों में अतीत के कितने ही पल समेटे हुए है। मैं और वह किंकर्तव्यविमूढ़ से एक-दूसरे को कुछ देर तक निहारते रह गए। तंद्रा तब टूटी, जब बादलों की तेज गड़गड़ाहट ने हमें बारिश होने का अहसास दिलाया। 'आओ न! बाहर क्यों खड़ी हो?' मैंने सहज भाव से उसे अंदर आने का निमंत्रण दिया। ऐसा लगा कि हम वर्षों वर्ष अलग रहने के बावजूद भी भावनात्मक रूप से कहीं जुड़े हुए हैं। गहरी चुप्पी के साथ वह अंदर आ गई और सोफे के एक किनारे पर सिमट कर जड़वत बैठ गई। 'आज अचानक, इस तरह!' मैंने खामोशी को तोड़ने का प्रयास किया। सुनते ही उसकी आंखों में लाल डोरे तैरने लगे, जिन्हें मैंने साफतौर पर महसूस किया। 'कुछ परेशान सी हो! क्या हुआ?' मेरे यह पूछते ही वह संयम खो बैठी। आंखों में बरसों से सिमटा दर्द एकाएक आंसुओं की धार बनकर बह निकला। जब तक मैं कुछ समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने सुना वह प्रायश्चित कर रही थी। 'मुझे माफ कर दो सुमी! मैं हार गई हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।' उसकी आवाज की कंपकंपी को मैंने सर्द झौंके सा महसूस किया। एक ठंडी सिहरन मेरे तन-बदन में दौड़ गई। कुछ देर बाद मैं चाय बनाकर ले आया। मेरे आग्रह पर उसने चाय का कप उठा लिया। 'याद है मिनी...' मैंने उसे टटोलते हुए कहा, 'मैंने कभी भी अपने हाथ से चाय नहीं बनाई और न ही मैं आज तक ठीक से चाय बनाना सीख सका, क्योंकि तुमने मुझे अपने ऊपर इतना निर्भर कर दिया था। तुम कहती थी कि मेरे होते तुम चाय क्यों बनाओगे? सब कुछ बदल गया इधर कुछ सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रशंसा की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार मुझे धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुड़कर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

-डॉ. सुबोध भटनागर

तस्वीर

{ लघुकथाएं }

पा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूं। अपने भाई-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन हैं ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये हरी ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अरे यह मेरा छोटा भाई श्यामू यानी तेरा चाचू।' अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचू अब कहां हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभालते हुए कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटों का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना!' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। उसके उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकता।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूं ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटा यह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेड पर रखे एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे। *

-गोविंद भारद्वाज

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

लोक-संस्कृति का प्रवाह

वर्तमान आधुनिकता के हाहाकारी बयार और पश्चिमी अंधानुकरण के दौर में जब जन सामान्य, अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, ऐसे में लोक संस्कृति से जुड़ाव की दिशा में किया गया छोटा सा प्रयास भी बहुत मायने रखता है। इस लिहाज से हाल में प्रकाशित हुए 'नवोदित प्रवाह' के लोक संस्कृति विशेषांक की सराहना की जानी चाहिए। इसमें देश के लगभग हर प्रदेश की लोक संस्कृति की बहुरंगी छवि देखी जा सकती है। संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए वरिष्ठ लेखक राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारिनः एक अधूरी प्रेम कहानी' (कहानी), 'गर्व या मातम' (लघुकथा) और लोक-सांस्कृतिक रंग में रंगी बुद्धिनाथ मिश्र, आकांक्षा द्विवेदी, कृष्ण बिहारी, उद्भ्रांत की कविताएं विशेष रूप से पठनीय हैं। वरिष्ठ कवि बाल स्वरूप राही के साक्षात्कार ने इस अंक की महत्ता को और बढ़ा दिया है। *

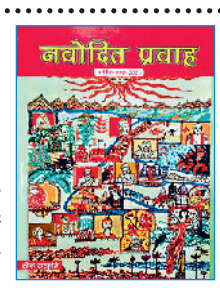

पत्रिका: नवोदित प्रवाह-वार्षिकांक 2026 (लोक संस्कृति विशेष),
संपादक: रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 200 रुपए
प्रकाशन स्थल: देहरादून, उत्तराखंड

सुदर्शन सेंड आर्ट म्यूजियम पुरी

ओडिशा के समुद्र तट के पास स्थित इस म्यूजियम की स्थापना मशहूर सेंड आर्टिस्ट सुदर्शन पट्टनायक ने साल 2010 में की थी। इसका उद्देश्य सेंड आर्ट को वैश्विक पहचान दिलाना और सामाजिक संदेशों को कला के माध्यम से प्रस्तुत करना है। यहां रेत से बनी विशाल मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें भगवान श्री जगन्नाथ, पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति, आध्यात्मिकता और भारतीय संस्कृति से जुड़े विषय प्रमुख होते हैं। रेत जैसी साधारण चीज को अद्भुत कला में बदल देना, इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्यतः समुद्र तट पर बनाई गई सेंड आर्ट कुछ समय बाद लहरों से नष्ट हो जाती है, लेकिन यहां विशेष तकनीक और केमिकल ट्रीटमेंट की मदद से स्कल्पचरों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है। अपनी इस अनूठी कला के लिए सुदर्शन पट्टनायक को भारत सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान मिल चुका है। *

काइट म्यूजियम अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में स्थित इस काइट म्यूजियम की स्थापना सन 1985 में भानुभाई शाह की पतंगों के निजी संग्रह से हुई थी। यहां पतंगों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक विविधता देखने को मिलती है। यहां भारत और विदेशों की 125 से अधिक अत्यंत दुर्लभ और कलात्मक पतंगें रखी गई हैं, जिनमें जापान, मलेशिया, कोरिया, अमेरिका जैसे देशों की पतंगे भी शामिल हैं। कुछ पतंगें मिनिएचर आकार की हैं, तो कुछ विशाल और अत्यंत कलात्मक हैं। संग्रहालय में हाथ से चित्रित, मिरर वर्क और ब्लॉक प्रिंट वाली पारंपरिक गुजराती पतंगें भी हैं। यहां एक 16 फीट लंबी पतंग भी है, जिस पर उकेरा गया गरबा डांस आने वाले दर्शकों को बरबस ही अपनी ओर खींचता है। उत्तरायण उत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। *

सुधा कार म्यूजियम हैदराबाद

ऑटोमोबाइल डिजाइनर के. सुधाकर द्वारा तेलंगाना के हैदराबाद में स्थापित यह म्यूजियम, दुनिया का पहला हैंडमेड कार म्यूजियम है। यह भारतीय नवाचार, रचनात्मकता और ऑटोमोबाइल के अनूठे संगम को दर्शाता है। सबसे खास बात है कि यहां प्रदर्शित कारें और बाइक, दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली चीजों के रूपाकार में डिजाइन की गई हैं जैसे- कैमरा, पर्स, जूता, किताब, बर्गर, क्रिकेट बैट, लिपस्टिक, टेबल टेनिस बॉल आदि। सभी गाड़ियां वर्किंग कंडीशन में हैं लेकिन बिक्री के लिए नहीं हैं। यहां दुनिया की सबसे बड़ी तिपहिया साइकिल और सबसे छोटी डबल डेकर बस भी देखी जा सकती है, जिन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी शामिल किया गया है। हर गाड़ी के साथ उसकी निर्माण प्रक्रिया, लागत, अधिकतम गति आदि की जानकारी भी दी गई है। यह म्यूजियम बच्चों-बड़ों सभी को पसंद आता है। *

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा } स्पेशलः इंटरनेशनल म्यूजियम-डे, 18 मई

संग्रहालय यानी म्यूजियम ऐसी जगह होती है, जहां इतिहास, कला, संस्कृति, रक्षा या विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण वस्तुओं का संग्रह और संरक्षण किया जाता है। इसके अलावा कई संग्रहालयों में यूनिक आइटम्स का संग्रह भी किया जाता है। अपने देश में स्थित कुछ अनोखे संग्रहालयों पर एक नजर।

देश के अनूठे म्यूजियम

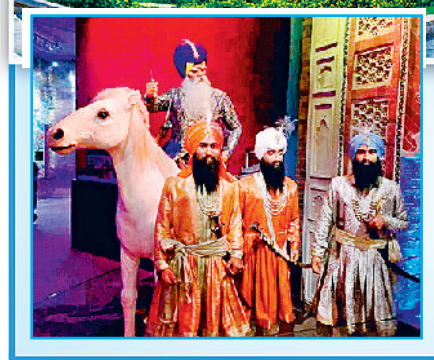

विरासत-ए-खालसा आनंदपुर साहेब

इस संग्रहालय की स्थापना पंजाब में वर्ष 2011 में की गई थी। यहां सिख गुरुओं के जीवन, खालसा पंथ की स्थापना, पंजाब के इतिहास, संस्कृति और धार्मिक संघर्षों को अत्याधुनिक मल्टीमीडिया तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इसकी इमारत का अनोखा वास्तुशिल्प भी आकर्षण का केंद्र है। विशाल पेंटिंग्स, मल्टीमीडिया लाइट एंड साउंड शो, यहां आने वाले दर्शकों को ऐतिहासिक घटनाओं का जीवंत अनुभव कराते हैं। इस म्यूजियम की गिनती भारत के तकनीकी तौर पर एडवांस म्यूजियमों में की जाती है। *

नेवल एविएशन म्यूजियम गोवा

साल 1998 में गोवा में स्थापित इस म्यूजियम में कई विंटेज विमान और लड़ाकू विमानों में प्रयोग होने वाले हथियार प्रदर्शित किए गए हैं। साथ ही यहां आईएनएस विराट युद्धपोत का मॉडल भी रखा गया है। इस अनोखे म्यूजियम में एवियाफ्लिक्स थिएटर भी है, जहां पर्यटक नेवल एविएशन के बारे में रोचक जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। भूख लगे तो यहां बने कॉकपिट कैफे में आराम से बैठकर खा-पी भी सकते हैं। *

आरबीआई मॉनेटरी म्यूजियम मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई में संचालित इस म्यूजियम की स्थापना वर्ष 2004 में की गई थी। यहां मुद्रा से जुड़ी डेढ़ हजार से ज्यादा वस्तुओं का संग्रह है। इस म्यूजियम में छठी सदी से आज तक के सिक्के और नोटों का अच्छा कलेक्शन है। पर्यटक यहां नोटों और सिक्कों के बनने का प्रोसेस भी जान सकते हैं। साथ ही समझ सकते हैं कि करेंसी में किस-किस तरह की सिक्योरिटी फीचर होते हैं। *

इंडियन म्यूजिक एक्सपीरियंस म्यूजियम बेंगलुरू

2018-19 में कर्नाटक के बेगलुरु में स्थापित यह म्यूजियम, भारत का पहला इंटरएक्टिव म्यूजिक म्यूजियम है। इस म्यूजियम की स्थापना का उद्देश्य भारतीय संगीत की हजारों वर्षों पुरानी परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत करना था। यहां भारतीय संगीत के इतिहास, शास्त्रीय संगीत, लोकसंगीत, सूफी संगीत, फिल्म संगीत और आधुनिक संगीत की यात्रा को डिजिटल डिस्प्ले, ऑडियो इंस्टालेशन और इंटरएक्टिव तकनीकों के माध्यम से समझाया जाता है। म्यूजियम में तबला, सितार, सरोद, वीणा जैसे वाद्ययंत्रों का भी प्रदर्शन किया गया है। दर्शक यहां हेडफोन, टच स्क्रीन और डिजिटल गैलरी के माध्यम से विभिन्न वाद्ययंत्रों को सुनने और स्वयं बजाने का अनुभव भी कर सकते हैं। *

ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम चेन्नई

भारत का पहला ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम की स्थापना तमिलनाडु के चेन्नई में कलाकार ए. पी. श्रीधर ने साल 2016 में की थी। यह म्यूजियम फ्रेंच आर्ट फॉर्म-ट्रॉम्प लोय या दृष्टि भ्रमकारी कला यानी (ऑप्टिकल इल्यूजन) और इंटरेक्टिव आर्ट के लिए मशहूर है। यहां की गैलरियों में दर्शकों को भ्रमित कर देने वाली 24 से अधिक इंटरएक्टिव 3-डी पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं। जो आने वाले दर्शकों को एक जादुई दुनिया का अहसास कराती हैं। इनके साथ खड़े होकर फोटो लेने पर ऐसा लगता है, मानो ये पेंटिंग्स जीवित हो गई हैं। यहां आने वाले दर्शक उस दृश्य का हिस्सा-सा बन जाते हैं और उनके साथ फोटो खिंचवाए बिना नहीं रहते। ट्रिक आर्ट म्यूजियम की तर्ज पर अब बेंगलुरू में क्लिक आर्ट म्यूजियम और मुंबई में पैराडॉक्स म्यूजियम भी बनाए गए हैं। *

ब्रेन म्यूजियम बेंगलुरू

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (निमहांस) द्वारा बेगलुरु में स्थापित यह भारत का एकमात्र और विश्व के गिने-चुने ब्रेन म्यूजियमों में से एक है। इस म्यूजियम में 400 से अधिक मानव मस्तिष्क और कई पशु-पक्षियों (जैसे- गाय, मुर्गी, चूहा, बंदर) के मस्तिष्क फॉर्मलीन केमिकल में संरक्षित करके प्रदर्शित किए गए हैं। जिन्हें पिछले 40 वर्षों में वैज्ञानिकों ने एकत्र किया है। इनके अलावा यहां फेफड़े, वोकल बॉक्स, आंतें और मानव कंकाल के नमूने भी हैं। शुरुआत में ये संग्रह मेडिकल छात्रों और शोध के लिए थे, लेकिन अब आम जनता के लिए भी खोले गए हैं। इसका उद्देश्य न्यूरोसाइंस की जानकारी देना, ब्रेन की संरचना, कार्य, विकास और कुछ बीमारियों (जैसे- अल्जाइमर, पार्किंसन, ब्रेन ट्यूमर) से जुड़ी भ्रांतिया दूर करने के साथ अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। यहां पर्यटक असली मानव मस्तिष्क को हाथ में लेकर भी देख सकते हैं, जो रोमांच से भर देता है। *

{ विशिष्ट पेड़ / वीना गौतम }

बहुपयोगी इमली का पेड़

बढ़ती लागत, घटती पैदावार और जल संकट के इस दौर में भारत के किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह ऐसी खेती का चुनाव करें, जो कम खर्च में स्थाई और भरोसेमंद आय दे सके। इस नजरिए से इमली का पेड़ एक अच्छा विकल्प है। लंबे जीवनकाल, कम देखभाल और सूखा सहन करने की इमली के पेड़ में अद्भुत क्षमता के कारण इसे एक बार लगाने के बाद सालों साल लगातार उत्पादन देता रहता है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी इसकी स्थिर मांग बनी रहती है।

आसान है खेतीः खास बात यह है कि इसे खेत की मेढ़ों या बंजर भूमि पर भी उगाया जा सकता है, जो अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है। भारत के सबसे उपयोगी और बहुउद्देशीय पेड़ों में से एक इमली के पेड़ का वैज्ञानिक नाम टैमरिंड्स इंडिका है। यह मूल रूप से अफ्रीका का पेड़ है, लेकिन प्राचीन काल से ही भारत में इसकी समृद्ध मौजूदगी रही है। दक्षिण भारत में विशेषकर कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, मध्य भारत में छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में तथा महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के अलावा असम, बंगाल और बिहार में भी इमली के पेड़ बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।

आर्थिक-पर्यावरणीय महत्ताः इमली सिर्फ किसानों की आर्थिक आय का ही मजबूत स्रोत नहीं बन सकता बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण पेड़ है। इमली का पेड़ 15 से 25 मीटर तक ऊंचा हो सकता है। यह दीर्घजीवी पेड़ है यानी बहुत आसानी से 100 से 200 सालों तक फलता है। इसका तना मजबूत, मोटा और खुरदुरा होता है। इसकी कैनोपी यानी इसका छत्र, घना और फैलावदार होता है। इसमें छोटी-छोटी कंपाउंड पत्तियां पाई जाती हैं। ये पत्तियां हल्की हरी और मुलायम होती हैं। इमली के पेड़ में छोटे पीले रंग के लाल धारियों के साथ फूल लगते हैं, ये अप्रैल से जून के महीने में लगते हैं और फिर लंबी भूरे रंग की फली जिसके अंदर खट्टा-मीठा गूदा होता है, इसके बीज कठोर और चमकीले होते हैं। इमली के पेड़ का मुख्यतः प्रजनन बीज द्वारा होता है। 25 से 35 डिग्री सेंटीग्रेड का तापमान इसके लिए आदर्श होता है और जिन इलाकों में सालाना 500 से लेकर 1500 मिलीमीटर तक वर्षा होती है, वहां इसे आराम से लगाया जा सकता है। यह मिट्टी का कटाव रोकता है। पशुओं के लिए छाया और चारा देता है। इमली का पेड़ कार्बन अवशोषण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जाता है और दीर्घकाल में यह खेती की उत्पादकता भी बढ़ाता है। हाल के सालों में इमली के फलों की मांग देश ही नहीं विदेश में भी काफी ज्यादा हुई है। किसानों के लिए इमली का पेड़ कम लागत में ज्यादा लाभ का शानदार जरिया है। इमली के गूदे का भारत में हर जगह विभिन्न तरह के खाए जाने वाले व्यंजनों में उपयोग किया जाता है, विशेषकर सांभर, चटनी, कढ़ी और कई तरह के पेय पदार्थ में इमली का उपयोग होता है। फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में इसकी अच्छी खासी मांग है। टार्टरिक एसिड, पॉलिश और कई किस्म की दवाइयां इसके इस्तेमाल से बनाई जाती हैं। *

{ सक्सेस फंडा / नेहा जैन }

अगर आप जीवन में कुछ बड़ा, कुछ नया पाने की तमन्ना रखते हैं, तो आपको अपने काम करने के तरीके में भी कुछ नयापन लाना होगा।

बदलें पुरानी वर्किंग स्टाइल
लिखें सक्सेस की नई कहानी

सफलता संसाधनों की अधिकता से नहीं, बल्कि सोच की स्पष्टता और काम करने के स्मार्ट तरीकों से मिलती है। अगर सूझबूझ और स्मार्ट तरीके से काम किया जाए तो आपको हैवी फंडिंग या भारी-भरकम टीम की जरूरत नहीं होती है। आपके काम करने का तरीका ही वह असली फंडा है, जो आपको भीड़ से अलग खड़ा करेगा और सफलता के मुकाम तक पहुंचाएगा। इस बारे में जेसन फ्राइड और डेविड हैनमेयर हैनसन की पुस्तक 'रीवर्क' में डिटेल में बताया गया है।

लोगों पर नहीं काम पर करें फोकसः जब भी आप कोई नया काम करने की सोचते हैं, लोग तरह-तरह की बातें करते हैं और कई बार आपको हतोत्साहित करते हैं। ऐसे में आपको अपनी मेहनत और कौशल पर यकीन करना चाहिए। दूसरों के अनुभवों से डरने के बजाय अपने प्रयोग करने चाहिए।

प्लानिंग से ज्यादा जरूरी एक्शनः अत्यधिक योजनाएं बनाने में समय नष्ट न करें। बस शिद्दत से काम शुरू करें, बाकी चीजें समय के साथ स्पष्ट होती चली जाएंगी। यह समझना होगा कि सिर्फ बातें करने से कुछ नहीं होगा। जो आप वास्तव में बना रहे हैं, उस पर ध्यान केंद्रित करें।

कम में ज्यादा खोजेंः आप कुछ भी करें, बाधाएं तो आएंगी ही। 'मेरे पास पैसे नहीं हैं' या 'मेरी टीम छोटी है' जैसे बहाने बनाना छोड़ें। कम संसाधन आपको समाधान खोजने के लिए मजबूर करते हैं। छोटे बजट में आप फालतू खर्चों से बचते हैं और केवल वही करते हैं, जो सबसे ज्यादा जरूरी है। याद रखिए सीमाएं ही नवाचार की जननी हैं।

अपनी अलग पहचान बनाएंः यदि आप दूसरों की नकल करेंगे, तो भीड़ में खो जाएंगे। अपनी सर्विस या प्रोडक्ट को पर्सनल टच दें। यदि आप काम में अपने अनोखे विचार डालते हैं, तो आपका कॉम्पिटिशन कम हो जाता है। लोग आपकी सर्विस इसलिए लेंगे क्योंकि वह औरों से अलग है।

गलतियों से न डरेंः असफलता अंत नहीं है। असफल होना आपको सिखाता है कि क्या काम नहीं करना है। अपनी गलतियों को सुधारें, गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। याद रखें, काम करने का असली तरीका किताबी नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव होता है।

वर्कोहलिक बनने से बचें: बिना आराम किए दिन में 15-18 घंटे काम करना मेहनत नहीं, बल्कि कुप्रबंधन है। इससे आपकी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी पर बुरा असर पड़ सकता है। असली कुशलता कम समय में गुणवत्तापूर्ण परिणाम देने में है। कम समय में स्मार्ट तरीके से काम करना ही असली कुशलता है।

'ना' कहना भी जरूरीः एक साथ बहुत सारे काम करने की कोशिश में हम अकसर औसत दर्जे का परिणाम देते हैं। फालतू सुझावों और ध्यान भटकाने वाली चीजों को 'ना' कहें ताकि आप अपनी कोर स्ट्रेंथ पर ध्यान केंद्रित कर सकें। 'ना' कहना आपको अपने मुख्य लक्ष्य पर केंद्रित रखता है।

अकेलेपन का समय निकालेंः रचनात्मक काम के लिए गहरी एकाग्रता चाहिए। दिन का कोई एक हिस्सा 'साइलेंस जोन' के लिए रखें, जहां कोई आपको डिस्टर्ब न कर सके। यही वह समय है जब आप अपना 'डीप वर्क' पूरा कर पाएंगे। *

हाल में ही सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर गेम रियलिटी शो 'तुम हो ना' शुरू हुआ है। बतौर होस्ट इसके जरिए राजीव खंडेलवाल ने लंबे अंतराल के बाद टीवी पर वापसी की है। इस शो को एक्सेप्ट करने की क्या वजह रही? लंबे समय तक टीवी से दूर क्यों रहे? शो और करियर से जुड़े कुछ और सवाल राजीव खंडेलवाल से।

मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे: राजीव खंडेलवाल

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने सबसे पहले एकता कपूर के टीवी डेली सोप 'कहीं तो होगा' से प्रसिद्धि पाई। फिर रियलिटी शो 'सच का सामना' के दो सीजन के दौरान उन्हें खूब लोकप्रियता मिली। लंबे गैप के बाद राजीव एक बार फिर महिलाओं के सम्मान और खुशी पर आधारित गेम-रियलिटी शो 'तुम हो ना' होस्ट करते नजर आ रहे हैं। यह शो खासतौर पर उन महिलाओं को लेकर बनाया गया है, जो अपने घर की बॉस हैं और मुश्किलों से भरी जिंदगी जीकर अपना मुकाम बना चुकी हैं। हाल ही में हुई लंबी बातचीत में राजीव खंडेलवाल ने इस शो से जुड़े सवालों के बेबाक अंदाज में जवाब दिए। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

'तुम हो ना' रियलिटी शो में क्या खास लगा, जिस वजह से आपने इसे होस्ट करना एक्सेप्ट किया?

खास वजह यही है कि यह शो महिलाओं पर केंद्रित है। 'तुम हो ना' महिलाओं का शो है, जिसमें कॉमन महिलाएं आती हैं, और अपने दिल की बातें, अपना संघर्ष अपनी खुशी और गम हमारे साथ शेयर करती हैं। हम उनको गेम्स खिलाते हैं, उनका मनोरंजन करते हैं। इस शो में कई मां-बहनें अलग-अलग शहरों से अपने अनुभव लेकर आती हैं और अपना अनुभव हमारे साथ साझा करती हैं।

इस शो के लिए क्या आपने अपने ड्रेसिंग स्टाइल पर भी खास ध्यान दिया है?

हां, मेरी स्टाइलिस्ट ने कहा कि इस शो के लिए अगर हम ड्रेसिंग में महिला की ज्वेलरी का इस्तेमाल करेंगे तो बहुत अच्छा लगेगा। मैंने अपने ड्रेस में महिलाओं की ज्वेलरी जैसे बिंदी, पायल, मांग टीका, झुमके आदि का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा बांदनी चुन्नी का भी उपयोग किया है। पहले मैं थोड़ा असमंजस में था, लेकिन बाद में जब लोगों ने तारीफ की तो मुझे लगा कि यह वाकई स्टाइलिश लग रहा है। सच कहूं तो इस शो में इस तरह की ड्रेस पहनने का पर्पस मेरी ओर से महिलाओं को खास अंदाज में ट्रिब्यूट देना है।

'तुम हो ना' से पहले आपने काफी लंबा गैप लिया। इतना लंबा ब्रेक लेने के पीछे क्या खास वजह रही?

मनपसंद रोल नहीं मिल रहा था। एक ही तरह के रोल ऑफर हो रहे थे, जो तीन-चार साल तक चलने वाले डेली सोप के थे। मैं इतने लंबे समय वाले सीरियल नहीं करना चाहता था। मैंने कभी भी काम के लिए 'ना' नहीं कहा, लेकिन अच्छा काम न होने की वजह से मुझे गैप लेना पड़ा। पैसों की ऐसी भी किल्लत नहीं थी कि मुझे अनाप-शनाप काम करना पड़े। मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे और जिसमें मुझे देखकर दर्शक खुश हो। सोनी का यह शो जब ऑफर हुआ, तो मुझे इसका कॉन्सेप्ट बहुत यूनीक और अच्छा लगा, इसलिए मैंने यह शो एक्सेप्ट कर लिया।

शो 'तुम हो ना' में एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए राजीव खंडेलवाल

'सच का सामना' और 'तुम हो ना', दोनों रियलिटी शोज में आपको मुख्य तौर पर क्या फर्क नजर आता है?

दोनों ही शोज रियलिटी से जुड़े हैं। दोनों में ही आम लोग पार्टिसिपेट करते हैं। फर्क यह है कि 'सच का सामना' में आम लोगों ने अपनी जिंदगी के कड़वे-सच्चे अनुभवों के बारे में बताया, जबकि 'तुम हो ना' शो में उन आम महिलाओं की कहानी है, जिन्होंने अपना जीवन अपने परिवार को समर्पित करके परिवार की स्टार बनीं। वह घर की मांएं, बेटियां और बहनें हैं, जिनकी मर्जी के बगैर घर में कुछ नहीं होता। 'सच का सामना' को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। रिलेटेबल और अलग हटके कॉन्सेप्ट होने के कारण 'तुम हो ना' को भी दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

आपने कुछ समय पूर्व एक वेब सीरीज भी की 'अमर विश्वास', जो कोर्ट रूम ड्रामा पर केंद्रित है। क्या यह सच है कि अब आपको टीवी डेली सोप से ज्यादा वेब सीरीज में काम करना पसंद है?

नहीं, ऐसी कोई बात नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और मुझे जहां अच्छा रोल मिलेगा, मैं करना चाहूंगा, फिर चाहे वह फिल्म हो, टीवी हो, वेब सीरीज या थिएटर ही क्यों ना हो। मैं वह सब काम करूंगा, जिसमें मेरी दिलचस्पी है, जैसे कि थिएटर करने में मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है। क्योंकि वहां पर लाइव ऑडियंस मिलती है।

आपने फिल्म, टीवी और वेब सीरीज के अलावा थिएटर भी किया है?

हां, मैंने एक थिएटर किया था 'कोर्ट मार्शल' जो जी-टीवी के लिए था। इसमें मैंने वकील की भूमिका निभाई थी। लाइव ऑडियंस के सामने आधा-आधा घंटे के दो भाग में मेरा परफॉर्मेंस था। लाइव ऑडियंस के अलावा एनएसडी के थिएटर कलाकारों ने जब मेरी एक्टिंग की तारीफ की तो मुझे बहुत खुशी और संतुष्टि मिली। मेरा मानना है कि थिएटर में किया गया अभिनय सबसे मुश्किल होता है, बावजूद इसके थिएटर के कलाकारों को कोई अवार्ड नहीं मिलता, इस बात का मुझे दुःख है। *

घर की महिलाएं होती हैं रियल स्टार

'तुम हो ना' महिलाओं पर केंद्रित शो है, जिसे राजीव होस्ट कर रहे हैं। उनकी पर्सनल लाईफ में महिलाओं की क्या भूमिका रही है, इस बारे में पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी जिंदगी में बचपन से लेकर आज तक महिलाओं का प्यार मां, बहन और पत्नी के रूप में हमेशा रहा है। मेरे पिता मिलिट्री में थे इसलिए मैंने अपनी मां के साथ बहुत वक्त बिताया है। आज वह नहीं हैं मेरे साथ लेकिन उनका बहुत बड़ा योगदान मेरे जीवन में है। अच्छे संस्कार और अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा और सीख मुझे मेरी मां से मिली। महिलाओं के सम्मान में मुझे यही कहना है कि जो चमकते हैं, सिर्फ वही स्टार नहीं होते! घर की महिला सदस्य रियल स्टार होती हैं, जो हमें बचपन से सपोर्ट देती हैं, एक अच्छा इंसान बनाती हैं, हमें आगे बढ़ने का हौसला देती हैं।